पाठ - 21

खाना-खिलाना

खाना-खिलाना

Q1. क्या तुम बोर्डिंग स्कूल में पढ़ते हो?

उत्तर : नहीं, मैं बोर्डिंग स्कूल में नहीं पढ़ता हूँ।

Q2. अगर नहीं, तो किसी हॉस्टल में रहने वाले बच्चे से बातचीत करके पता करो

उत्तर : मेरा एक दोस्त हॉस्टल में रहता है, उससे पूछे गये प्रश्न एवं उत्तर:: निम्नांकित हैं

Q3. बोर्डिंग स्कूल और दूसरे स्कूल किन-किन बातों में अलग होते हैं?

उत्तर : बोर्डिंग स्कूल में बच्चे वहीं रहकर पढ़ाई करते हैं, सोते हैं तथा खाना खाते हैं। बोर्डिंग स्कूल में त्योहारों तथा अन्य छुट्टियों पर ही बच्चे अपने घर जाते हैं। जबकि अन्य स्कूलों में बच्चे पढ़ाई के बाद शाम में अपने-अपने घर चले जाते हैं।

Q4. वहाँ पर कैसा खाना मिलता है?

उत्तर : वहाँ पर अच्छा खाना मिलता है।

Q5. बच्चे कहाँ बैठकर खाना खाते हैं?

उत्तर : बच्चे डाईनिंग हॉल में बैठकर खाना खाते हैं।

Q6. बोर्डिंग स्कूल में बच्चों के लिए खाना कौन बनाता है? कौन परोसता है?

उत्तर : बोर्डिंग स्कूल में बच्चों के लिए खाना रसोईये बनाते हैं तथा अन्य कर्मचारी खाना परोसते हैं।

Q7. बर्तन कौन धोता है?

उत्तर : बर्तन धोने के लिए अलग से कर्मचारी होते हैं।

Q8. क्या कभी बच्चों को घर के खाने की याद आती है?

उत्तर : हाँ, कभी-कभी बच्चों को घर के खाने की याद भी आती है।

Q9. क्या तुम बोर्डिंग स्कूल में पढ़ना चाहोगे? क्यों?

उत्तर : नहीं, मैं बोर्डिंग स्कूल में पढ़ना नहीं चाहूँगा क्योंकि वहाँ माता-पिता से अलग रहना पड़ता है।

बताओ

Q1. गुरुद्वारे में एक साथ मिलकर खाना पकाने और खाने को 'लंगर' कहते हैं। क्या तुमने कभी लंगर में खाना खाया है। कब और कहाँ?

उत्तर : हाँ, मैनें दो बार लंगर में खाना खाया है।गुरूनानक जयंती पर मैंने अपने दोस्तों के साथ गुरूद्वारे में लंगर खाया है।

Q2. कितने लोग खाना बना रहे थे और कितने लोग खाना परोस रहे थे?

उत्तर : वहाँ पर लगभग 15 लोग खाना बना रहे थे तथा 25-30 लोग खाना परोस रहे थे।

Q3. क्या किसी दूसरे अवसर पर भी तुमने बहुत से लोगों के साथ मिलकर खाना खाया है? कब और कहाँ? वहाँ किस-किस ने खाना बनाया और परोसा था?

उत्तर : हाँ, मैंने दूसरे अवसरों पर भी बहुत से लोगों के साथ मिलकर खाना खाया है। पिछले वर्ष स्कूल में सरस्वती पूजा तथा स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसरों पर मैंने अपने अन्य दोस्तों तथा शिक्षकों के साथ मिलकर खाना खाया था। वहाँ हलवाई ने खाना बनाया तथा सभी दोस्तों ने मिलकर बारी-बारी से खाना परोसा।